

ऊर्जा मंत्री ने सौर कृषिआजीविका योजना पोर्टल का शुभारंभ किया

चर्चा में क्यों?

17 अक्टूबर, 2022 को राजस्थान के ऊर्जा मंत्री भँवर सहि भाटी ने वदियुत भवन में 'सौर कृषिआजीविका योजना' के पोर्टल का शुभारंभ किया।

प्रमुख बडि

- यह पोर्टल कसिनॉं एवं वकिसकरत्ताओं को कसिनॉं की बंजर/अनुपयोगी भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना में मदद करेगा।
- भँवर सहि भाटी ने बताया क गिरामीण क्षेत्रों में मुख्यरूप से कृषिभार वाले लोड सेंटर पर पीएम-कुसुम कम्पोनेंट-सी (फीडर लेवल सोलराईजेशन) के तहत वकिसति कयि जा रहे वकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्रों को बढावा देने के उद्देश्य के लयि राज्य सरकार ने सौर कृषिआजीविका योजना तैयार की है।
- उन्होंने बताया क इस योजना के पोर्टल को लॉच करने का उद्देश्य यह है क कसिनॉं को सोलर के माध्यम से अपने नज़दीक के 33/11 जीएसएस से दनि में बजिली प्रापत हो सके। इसके साथ ही इस योजना के माध्यम से कसिनॉं व भूमि मालिकों को सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लयि पूरव नरिधारति राशा के आधार पर अपनी बंजर/अनुपयोगी भूमि को लीज़ पर देने का अवसर देकर राज्य के परचुर भूमि संसाधनों का उपयोग कयि जाएगा।
- भाटी ने बताया क इस ऑनलाईन पोर्टल पर कसि भी गाँव में 33/11 केवी जीएसएस के आसपास के कसिन सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापति करने के लयि अपनी ज़मीन को लीज़ पर देने हेतु पंजीकृत कर सकते हैं और सौर ऊर्जा संयंत्र के वकिसकरत्ता भी पंजीकृत कसिनॉं/भूमि मालिकों तक पहुँचने के लयि पोर्टल पर पंजीकृत कर सकते हैं।
- उन्होंने बताया क सोलर प्लांट की स्थापना के बाद 33/11 केवी जीएसएस के आसपास के जतिने भी कृषि उपभोक्ता हैं, उन सभी को सोलर के माध्यम से दनि के समय अचूची गुणवत्ता की बजिली मलिंगी और उनकी बजिली की समस्या का समाधान होगा।
- उन्होंने बताया क भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा कुसुम कम्पोनेंट सी (फीडर लेवल सोलराईजेशन) के तहत इस योजना में केंद्रीय वतितीय सहायता का भी प्रावधान है।
- प्रमुख शासन सचवि ऊर्जा एवं अध्येकष डसिकॉमस भासकर ए.सावंत ने बताया क डसिटरीब्यूटेड मैनेर में ये प्लांट लगेंगे। इस योजना में छोटे प्लांट लगेंगे, जसिसे उत्पादति बजिली का लाभ प्लांट के आसपास के क्षेत्र के कसिनॉं को ही मलिंगा।
- इस योजना के तहत जनि क्षेत्रों में कृषि बजिली का भार अधकि है, उन जीएसएस को चहिनति करके पीएम-कुसुम योजना-सी में फीडर लेवल सोलराईजेशन के तहत संयंत्र स्थापति कयि जाएंगे।
- उन्होंने बताया क अभी 781 जीएसएस चहिनति कयि हैं जहाँ कृषि लोड ज़्यादा है, जनि पर 971 प्रोजेक्ट लग सकते हैं और इनसे 3079 मेगावाट बजिली का उत्पादन होगा। इससे 2 लाख 71 हज़ार पंप सोलराइज हो जाएंगे।
- वदिति है क अभी एमएनआरई ने एक लाख पंप की स्वीकृति दी है, जसि धीरी-धीरे 2 लाख पंप सोलराइजेशन तक ले जाया जाएगा।
- इस पोर्टल का सबसे बडा फायदा यह होगा क पोर्टल पर कसिन द्वारा अपनी भूमि का पंजीकरण करने के पश्चात् वकिसकरत्ता देख पाएगा क कतिनी भूमि सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लयि कास्तकार ने पोर्टल पर पंजीकृत की है। सभी सूचनाएँ पोर्टल पर मलिन से सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना को बढावा मलिंगा।
- उन्होंने बताया क कसिनॉं को समय पर पूरी लीज़ राशा मिलने की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा नरिधारति कर दी गई है। इसके तहत डसिकॉम को दी जाने वाली बजिली का भुगतान वकिसकरत्ता को कयि जाने वाले भुगतान में से डसिकॉम द्वारा लीज़ राशा कट कर सीधे कास्तकार को भुगतान कयि जाएगा व शेष राशा का भुगतान वकिसकरत्ता को कयि जाएगा।